Demand to fund the East Rajasthan Canal Project by declaring it a national project

डा. किरोड़ी लाल मीणा (राजस्थान): महोदय, 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' राजस्थान की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसमें मानसून के दौरान चम्बल, कुन्नू, कुल, पार्वती, कालीसिंध, मेज नदी के अधिशेष पानी को बनास, मोरेल, बाणगंगा, गंभीर, पार्वती एवं कालीसिंध नदियों में पहुँचाया जाएगा। परियोजना की हाइड्रोलॉजी की सैद्धान्तिक स्वीकृति केन्द्रीय जल आयोग द्वारा दिनांक 8.2.206 को जारी की जा चुकी है।

इस परियोजना द्वारा राजस्थान के 33 जिले यथा झालावाड़, बारां, कोटा, बून्दी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, करौली, अलवर, भरतपुर, धौलपुर को पानी प्राप्त होगा। इस योजना में 26 वृहद्? एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के जरिए दो लाख हेक्टेयर अतिरिकत क्षेत्र की सिंचाई हो सकेगी।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की डीपीआर केन्द्रीय जल आयोग को प्रस्तुत कर दी गई है और डीपीआर पर प्राप्त विभिन्न टिप्पणियों की जल संसाधन विभाग, राजस्थान द्वारा पालना की जा रही है।

राजस्थान एवं मध्य प्रदेश के मध्य अंतर्राज्यीय मुद्दों पर मुख्य अभियन्ता स्तर की बैठक दिनांक 27.6.2018 को भोपाल में आयोजित की गई, जिसमें मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्ताव की हाइड्रोलॉजी के संबंध में कुछ आक्षेप उठाए गए। अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एवं राजस्थान सरकार के मध्य केन्द्रीय जल आयोग में दिनांक 26.3.2019 को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए आक्षेपों के निराकरण एवं डीपीआर की शीघ्र स्वीकृति हेतु बैठक आयोजित हुई है। राजस्थान सरकार द्वारा 3.1.2017 एवं 10.10.2017 को भारत सरकार को लिखे गए पत्रों द्वारा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का निवेदन किया गया है।

अतः मेरी माँग है कि इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर राजस्थान को आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाए, जिससे राजस्थान के उक्त 13 जिलों को पानी मिल सके।

Demand to include ethics, social and national duties at every level of education

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): * महोदय, श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए समाज का सुसंस्कारित होना आवश्यक है। व्यक्ति परिवार और समाज से संस्कार प्राप्त करता है। प्रारंभिक शिक्षा में शैशव काल से ही सामान्य व्यवहार में परस्पर आचरण से इसको सीखा जा सकता है। मैत्री-बंधुत्व, सम्मान और शिष्ट व्यवहार को शिक्षा में समाविष्ट कर इसका विस्तार सामाजिक राष्ट्रीय कर्त्तव्यों तक किया जा सकता है।

*Hindi translation of the original speech made in Sanskrit.

महोदय, समाज में आपराधिक प्रवृत्तियाँ, जिस परिवेश में बालक का पालन-पोषण होता है, उस पर निर्भर करता है। परिवार के मुखिया का अर्थोपार्जन, रोजगार आवश्यक है। अतएव गरीब और अशिक्षित वर्ग को रोजगार के साथ ही उसकी जीवनयापन की आवश्यकताओं की पूर्ति आवश्यक है। विद्यमान शिक्षा के सभी स्तरों पर नैतिक सामाजिक राष्ट्रीय कर्त्तव्य की शिक्षा को लागू करने के प्रभावी उपाय करने चाहिए। इसके बिना शिक्षा और विद्या के परिणाम यथा:

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्ति: परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधो: विपरीतमेतत् ज्ञानायदानाय च रक्षणाय?
शिक्षा का समसामयिक आधुनिकीकरण मे भारतीय संस्कार आवश्यक है, यथा:
विद्यां ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्म ततः सुखम्।।

इतना ही नही, लौकिक उपलब्धियों से आगे मानवीय उद्देश्यों के लिए वर्तमान विसंगति के परिदृश्य में परिवर्तन के लिए-

श्रेयो हि ज्ञानमभ्यासाज्ज्ञानाद्ध्यानं विशिष्यते।
ध्यानात्कर्मफलत्यागस्त्यागाच्छान्तिरनन्तरम्।।

अतएव केन्द्र सरकार श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए समाज में शिक्षण के लिए समुचित उपाय करे।

तन्मे मनः शुभसंकल्पमस्तु।

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, there are around forty Members, who are good Members, who are there till the end of the House today.

Now, the House stands adjourned till 11.00 a.m. on Tuesday, the 10th December, 2019.

The House then adjourned at six of the clock
till eleven of the clock on Tuesday,
the 10th December, 2019.